पुष्पक्

आर सिंह, उप सचिव, उत्तरांचल शासन ।

संसा म

गहानिदेशकः, चिकित्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणः, उत्तरांचल ।

विकित्सा अनुभाग-4 कित्र मांखडा जनगर पाँडा गढवाल के भवन निर्माण कार्यों को भूर्ण करने हेतु अवशेष धनराशि की स्वीकृति ।

महादयः

उपर्वेकत विषयक आपके पत्र सं0-7प/1/सीटएचटसीट /10/2005/1189 दिनांक 07.01.2006 में सथा शासनादेश सं0-374/28-3-2004-59/2005 दिनांक 30.03.2005 के स्त्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय विकास का उठ-उन में समुद्राप्तिक न्यान्य केन्द्र पोखड़ा जनपद पाड़ी गढ़वाल को भवन निमांग कार्य का पूर्व करने हेतु समस्य अवशोध धनराशि संलग्नकानुसार रूठ 60,00,000,00 (रूठ साठ लाख मात्र) को धनराशि के व्यय को सहय स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्वर से तकनीकि स्वीकृति प्राप्त कर किया अस्येगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रखा जायेगा ।
- 3 उक्कत धनराणि कोषागार से तत्काल आतारत को कांगी अब निर्माण इकाई क्षेत्रीय प्रयन्धक, उ०प्र० समाग कल्याण निर्माण विगम, उत्तरांचल को उदलब्ब करायों जायेगी । कार्य प्रारम्भ से पूर्व सदाम उत्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया चाद । स्वीकृत धनराशि का उपभौग प्रत्येक दशा में उसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया आयेगा । अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनिधिकृत क्या नहीं किया जायेगा । स्वीकृति संबंधी मूल शासनादेश की सभी शर्ते यथावत रहेंगी ।
- में स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित मावकार संख्या है। दिनांक की स्चना तत्काल शासन तथा महालखाकार उत्तरांचल का उपलब्ध कराई गायगा।
- 5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित इस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों। में बजट मेनुअल तथा शासन द्वारा मिनव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना युनिश्चित किया जायेगा ।
- 6 धनगाशि उन्हों भयों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्थीकत की जा रही है।



- ्र वनगान की विन्तीय एंव भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तम निगोरत प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध कराया वार्य
- 8- अवस्था की जा रही राशि का पूर्ण काय 31 55,3025 से पूर्व क्वांकात कर इसका विस्ताव भौतिक प्रमुख का निवरण एवं उपयोगिता प्रमाण प्रज्ञ गटरान को प्रस्तुत करें।
- 10- यह आदश विका विभाग के अशाव संव-105/ XXVII (3) 2005 दिसका 21.02.2006 में प्राप्त सामांत से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदोय,

(अंतर सिंह) उप साचव

stor Boart

रांठ 35(1)/xxv111-4-2006-59/2005 सद्दिनांक

प्रतिलाप निम्नानिस्ति को सुबनार्थ एवं अनुबद्धान कर्यवानी 🔭 🕒 느

- महालेखानार, उत्तर्गचल, माजस देहरावृत्
- 2 निवसका, कोपागार, उतारांचस ,देहरादूर।
- 3- गृज्य कोपाधिकारों, पौड़ी गढ़वाल ।
- 1- जिलाधिकारी, याँडी गलकाल ।
- 5 मुख्य चिकित्यधिकारी पाँडी गहवाल ।
- 6 शाीश प्रवासक, उ०प्रेण समाज कल्याण निर्माण निर्मा कर्णांचा वर्ण
- 7- नजर गजरां गिय, नियोजन व संस्तधन निरेशालय संवक्षालय, पेइसर्ग ।
- विश्वी अधिक गाँउ मुख्यमंत्री ।
- 9- आपार मुमाई/मङ्गल मण्डल उलायप्लं ।
- 10 वित्त (त्याय विशेष्ट्रण) अनुभाग-3/ नियोजन विश्वाम / एन०आई०सी० ।
- ।।- गाड भारत ।

आज्ञा से,

(अतर सिंह) उप सचिव

शासनादेश सं0-35/xxv111-4-2006-59/2005 दिनांक 2.2 नका संलयनक

-	T .	(क्यांश लाख रू० में)		
म्ह.सं0	कार्य का नाम	अनुमोदित लागत	अव तन्त्र अन्युपन्त	अवरोध कार्यों को पूर्ण करने हेतु वर्ष 2005-06 मे स्वीकृत धनराशि
7	2	3	4	6
1	साम्दायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाखड़ा जनपद पोड़ों गढ़वाल का भवन निर्माण	142.58	30.00	60.00
	योग	142.58	30.00	60.00

(रू० साउ लाख मात्र)

(अतर सिंह)

उप सचिव

inn I

THE MINISTER

1 16

प्रेषक,

राधा रत्डी, सचिव.

उत्तराचल शासन्।

सेवा में

निदेशक,

समाज कल्याण, उत्तरांचल,

हल्हानी (नैनीताल)।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक : फरवरी, 2006

विषयः विकलांगजनों हेतु विशेष सेवायोजन कार्यालय की स्थापना योजनान्तर्गत प्राविधानित

महोदय,

चपर्युक्त विषयक विकलांगजन आयुक्त, उत्तराचल, देहरादून के पत्र सख्या 18/अ स. / स.क. / 2006 दिनांक 25जनवरी, 2006 एवं उपनिदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन. उत्तरांचल, देहरादून के पत्र संख्या 401/वि.सं.का./008/06 दिनाक 30.1.2006 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए गुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान संख्या-15 में विकलांगजनों हेतु विशेष संवायोजन कार्यालय की स्थापना योजनान्तर्गत प्राविधानित रू. 3.20लाख (रू. तीन लाख वीस हजार मात्र) की धनराशि को विशिष्ट विकलांग सेवायोजन कार्यालय, देहरादून के उच्चीकरण हेतु निम्नलिखित शर्तों के अधीन त्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

- आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनशशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
 - उक्त आवंदित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुरित्तका /बजट मैनुवल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व रवीकृति आवश्यक हों तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
 - मितव्ययता के संबंध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए।
 - अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया छाए।
- 5. उक्त धनराशि का निवेशक, समाज कल्याण द्वारा विकलांगजन आयुक्त, उत्ताराचल एवं उपनिदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तरांचल से समन्वय कर नियमानुसार योजनान्तर्गत व्यय सुनिश्चित किया जाएगा।
- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या—15 के 'आयोजनामत पक्ष' के अन्तर्गत लेखाशीर्थक ''2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण- 02-समाज कल्याण-101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण-0102-विकलांगी के लिए विशेष सेवायोजन कार्यालय (100%के.स.)" के गानक मद "20-सहायक अनुदान/ अंशदान / राजसहायता" की सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जाएगा।
- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : 1004/XXVII(3)/2006 विनास 15फरवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

गवदीय. (राघा रतूडी) सचिव।

संख्या : 55(1)/XVII(1)-2/2006 तद्दिनांक !

प्रतिलिपि : निम्नाकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2. निजी संचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तररांचल।
- 3. निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 4. आयुक्त, गढवाल मण्डल, पौड़ी।
- 5. जिलाधिकारी, देहरादून।
- कोषाधिकारी, हल्द्वानी (नैनीताल)।
- .7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- B. वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 9. बजट राजकोषीय संशाधन निदेशालय, सविवालय, देहरादून।
- 10. समाज कल्याण नियोजन प्रकोध्द, सचिवालय, देहरादून।
- 11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से.

(स्नेहलत् अग्रवाल

अपर सचिव।